सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

प्रेरणा

"बहाने बनाना आसान है, मगर इतिहास मेहनत करने वालों का लिखा जाता है।"

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	29°	13°
शनिवार	28°	11°
रविवार	28°	12°
सोमवार	31°	17°
मंगलवार	31°	17°
बुधवार	28°	14°
वीरवार	24°	13°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-7 • 27 FEBRUARY TO 05 MARCH 2026 • VOLUME 32 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?
What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की किताब पर लगाया पूर्ण प्रतिबंध

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की सामाजिक विज्ञान की उस किताब पर पूर्ण और निरपेक्ष प्रतिबंध लगा दिया है, जिसमें 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' नामक एक अध्याय शामिल था। न्यायालय ने इस मामले को 'गहरी साजिश' करार देते हुए स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव और एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि जो लोग 'ज्यूडिशियरी करप्शन' पर चैप्टर का ड्राफ्ट बनाने में शामिल हैं, वे यूजीसी या किसी भी मिनिस्ट्री के साथ काम नहीं करेंगे। केंद्र ने बिना शर्त माफी भी मांगी है, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि एक सुओ मोटो केस में हम बिना शर्त माफी मांगते हैं। इसी बीच, चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने पलटवार करते हुए कहा कि मीडिया में हमारे दोस्तों ने यह नोटिस भेजा है। इसमें माफी का एक भी शब्द नहीं है।

जब एसजी मेहता ने कहा कि 32 किताबें बिक चुकी थीं लेकिन अब इसे वापस ले लिया गया है तो सीजेआई ने कहा कि यह जानबूझकर किया गया कदम था। सीजेआई ने कहा कि पूरी टीचिंग कम्युनिटी को बताया जाएगा कि इंडियन ज्यूडिशियरी करप्ट है और केस पेंडिंग हैं, फिर स्टूडेंट्स और फिर पेरेंट्स। यह एक गहरी साज़िश है। एनसीईआरटी की सोशल साइंस बुक के '"ज्यूडिशियल करप्शन' चैप्टर में कहा गया है कि करप्शन, केसों का बहुत बड़ा बैकलॉग और जजों की सही संख्या की कमी ज्यूडिशियल सिस्टम के सामने आने वाली चुनौतियों में से हैं। नई बुक में कहा गया है कि जज एक कोड ऑफ़ कंडक्ट से बंधे होते हैं जो न केवल कोर्ट में उनके व्यवहार को बल्कि कोर्ट के बाहर उनके व्यवहार को भी कंट्रोल करता है।

चैप्टर में लिखा है कि लोग ज्यूडिशियरी के अलग-अलग लेवल पर करप्शन का अनुभव करते हैं। गरीबों और ज़रूरतमंदों के लिए, यह न्याय तक पहुंच की समस्या को और खराब कर सकता है। इसलिए, स्टेट और यूनियन लेवल पर ज्यूडिशियल सिस्टम में भरोसा बनाने और ट्रांसपेरेंसी बढ़ाने के लिए लगातार कोशिशें की जा रही हैं, जिसमें टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल भी शामिल है, और जहां भी करप्शन के मामले सामने आएं, उनके खिलाफ तेज़ और पक्के एक्शन लिए जाएं। किताब में सुप्रीम कोर्ट में पेंडिंग केसों की अनुमानित संख्या 81,000, हाई कोर्ट में 62.40 लाख और डिस्ट्रिक्ट और सबऑर्डिनेट कोर्ट में 4.70 करोड़ बताई गई है।

जिम्मेदार अधिकारियों पर होगी कार्रवाई : शिक्षा मंत्री

झारखंड के सरायकेला खरसावां में मीडिया से बात करते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि एनसीईआरटी की किताबों में न्यायपालिका के बारे में ऐसी बातें लिखना चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि मामला सामने आते ही किताबों का रिव्यू कराया गया है। शिक्षा मंत्री ने इस घटना पर गहरा अफसोस जताया और भरोसा दिया कि जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी गलती दोबारा न हो। सुप्रीम कोर्ट ने इस विवादित कंटेंट पर शिक्षा सचिव और एनसी डायरेक्टर को 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश बेहद गंभीर नजर आए। उन्होंने कहा कि यह न्यायपालिका की छवि खराब करने की एक सोची-समझी साजिश लगती है। सीजेआई ने भावुक होते हुए कहा, 'आज न्यायपालिका खून से लथपथ है और कोई भी कुछ भी कह रहा है।' अदालत ने इसे पूरी शिक्षा व्यवस्था के जरिए समाज में गलत संदेश फैलाने की कोशिश करार दिया है।

गैर-जिम्मेदार बैंकों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

हरपाल चीमा बोले- पेंशनर सेवा पोर्टल के सभी पेंडिंग इश्यू 31 मार्च, 2026 तक सॉल्व हो जाने चाहिए

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने पंजाब भवन में पेंशनर सेवा पोर्टल (पीएसपी) पर लंबित मामलों को सुलझाने के उद्देश्य से अलग-अलग बैंकों के साथ रिव्यू मीटिंग आयोजित की। बार-बार हो रही देरी और निर्धारित समय सीमा पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए, एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने सभी लंबित मामलों को निपटाने के लिए 31 मार्च, 2026 तक की समय सीमा निर्धारित करते हुए स्पष्ट रूप से कहा की अब और देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मीटिंग के दौरान, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि बैंक पहले भी निर्धारित समय सारणी की पालना करने में नाकाम रहे थे, जिसके कारण पंजाब सरकार को उनके अनुरोध पर समय अवधि बढ़ानी पड़ी। उन्होंने कहा कि समय अवधि बढ़ाने के बाद भी प्रमुख वित्तीय संस्थाओं में बहुत ज़्यादा बैकलॉग बना हुआ है। उन्होंने कहा कि पेंशनर सेवा पोर्टल से जुड़े सभी पेंडिंग मामलों को 31 मार्च, 2026 तक सुलझा लिया जाना चाहिए।

15 मार्च को रिव्यू मीटिंग की घोषणा करते हुए वित्त मंत्री ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि पंजाब सरकार उन बैंकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी जो 31 मार्च की समय अवधि तक सभी बकाया मामलों का निपटारा करने में नाकाम रहेंगे। प्रशासकीय आकुशलता के कारण पेंशनर्स को परेशान नहीं होने दिया जा सकता। पंजाब सरकार के 31 अक्टूबर, 2025 के निर्देशों का पालन न करने पर बल देते हुए, जिसमें सिर्फ़ जीवन प्रमाण पत्र (जेपीपी) के मध्यम डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र लेना अति आवश्यक कर दिया गया था, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि कुछ बैंकों ने इन निर्देशों को पूरी तरह से लागू नहीं किया है।

उन्होंने कहा कि किसी भी कम्युनिकेशन गैप को कम करने के लिए, सरकार ने बैंकों को एक विशेष मैसेज और ड्राफ़्ट लेटर दिया है। बैंकों को यह मैसेज अपने अपडेटेड संपर्क डेटाबेस के माध्यम से आगे भेजना चाहिए ताकि पेंशनर्स को ज़रूरी जेपीपी और ई -केवायसी की ज़रूरत के बारे में पूरी जानकारी हो। इस इस कार्य प्रणाली को पूरा करने के लिए संयुक्त रूप से कार्य करने की आवश्यकता है।

डीजीसीए ने बदले टिकट रिफंड और कैंसिलेशन के नियम

नई दिल्ली. हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक बेहद सुखद खबर है। विमानन नियामक डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने टिकट रिफंड और बुकिंग में बदलाव से जुड़े नियमों में ऐतिहासिक संशोधन किया है। नए नियमों के तहत, यात्रियों को बुकिंग के शुरुआती 48 घंटों के भीतर टिकट बदलने या कैंसिल करने पर अब कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। डीजीसीए ने सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट्स (सीएआर) में बदलाव करते हुए एयरलाइंस को निर्देश दिया है कि वे यात्रियों को टिकट बुकिंग के बाद 48 घंटे का 'लुक-इन ऑप्शन' प्रदान करें। डीजीसीए ने कहा, "ट्रैवल एजेंट/पोर्टल से टिकट खरीदने पर, रिफंड की ज़िम्मेदारी एयरलाइंस की होगी क्योंकि एजेंट उनके अपॉइंटेड रिप्रेजेंटेटिव होते हैं। एयरलाइंस यह पक्का करेंगी कि रिफंड प्रोसेस 14 वर्किंग डेज़ के अंदर पूरा हो जाए।" इसके अलावा, यात्री को होने वाली मेडिकल इमरजेंसी की वजह से टिकट कैंसल करने के नियमों में भी बदलाव किए गए हैं। 'पब्लिक ट्रांसपोर्ट कंपनियों के यात्रियों को एयरलाइन टिकट का रिफंड' के लिए सीएआर में बदलाव, समय पर रिफंड न मिलने की यात्रियों की बढ़ती शिकायतों के बाद किया गया है। दिसंबर 2025 में इंडिगो की फ़्लाइट में रुकावट के दौरान टिकट रिफंड का मुद्दा सामने आया था और उस समय, सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने एयरलाइन को तय समय में रिफंड पूरा करने का निर्देश दिया था। बदला हुआ सीएआर 24 फरवरी को जारी किया गया था।

भाजपा जीती तो हर घुसपैठिया होगा बाहर : अमित शाह

कोलकाता. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जीत दर्ज करेगी और सत्ता में आने के बाद राज्य से "हर एक घुसपैठिये को बाहर किया जाएगा।" शाह ने यह बात बिहार के अररिया जिले में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। अररिया सीमांचल क्षेत्र में स्थित है, जिसकी सीमा पश्चिम बंगाल से लगती है।

उन्होंने कहा, "पश्चिम बंगाल में चुनाव नजदीक हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि भाजपा जीतने जा रही है। नई सरकार बनने के बाद हम हर एक घुसपैठिये को बाहर करेंगे।" गृह मंत्री ने कहा, "घुसपैठियों को बाहर निकालने की प्रक्रिया बिहार, खासकर सीमांचल क्षेत्र से शुरू होगी। हमने पिछले वर्ष विधानसभा चुनाव इसी मुद्दे पर जीता था। विरोधियों द्वारा हमारे एजेंडे की आलोचना किए जाने के बावजूद हमें जनादेश मिला।"

अमित शाह ने कहा कि घुसपैठ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है और घुसपैठिये किसी क्षेत्र के जनसांख्यिकीय संतुलन को भी प्रभावित करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वे राशन पर निर्भर रहते हैं और आम लोगों के लिए निर्धारित अन्य लाभों का भी उपयोग करते हैं।

कनाडा के पीएम भारत यात्रा पर

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी 27 फरवरी से 2 मार्च 2026 तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। यह प्रधानमंत्री कार्नी की भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी। 27 फरवरी को प्रधानमंत्री कार्नी मुंबई पहुंचेंगे। अगले दो दिनों में, वे विभिन्न व्यावसायिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे और भारत और कनाडा के मुख्य कार्यकारी अधकिारियों, उद्योग और वित्तीय विशेषज्ञों, नवप्रवर्तकों, शिक्षाविदों के साथ-साथ भारत में स्थित कनाडा के पेंशन फंड प्रमुखों के साथ वार्तालाप करेंगे। प्रधानमंत्री कार्नी 1 मार्च को नई दिल्ली पहुंचेंगे। 2 मार्च को, दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता होगी। दोनों नेता भारत-कनाडा रणनीतिक साझेदारी के विभिन्न क्षेत्रों में अब तक हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे और यह कनानास्किस (जून 2025) और जोहान्सबर्ग (नवंबर 2025) में हुई उनकी पिछली बैठकों पर आधारित होगी। वे व्यापार और निवेश; ऊर्जा; महत्वपूर्ण खनिज; कृषि; शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार सहित प्रमुख स्तंभों में वर्तमान में जारी सहयोग की भी समीक्षा करेंगे और जन-संबंधों को मजबूत बनाने पर भी चर्चा करेंगे। दोनों नेता क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी अपने विचार साझा करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री कार्नी बाद में दिन में आयोजित होने वाले भारत-कनाडा मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के फोरम में भी भाग लेंगे।

स्टेट स्पोर्ट्स स्कूल में अलग-अलग खेलों के ट्रायल 28 से 1 मार्च तक

जालंधर (जालंधर ब्रीज). जिला खेल अधिकारी गुरप्रीत सिंह बाजवा ने बताया कि स्टूडेंट्स को खेलों से जोड़ने के लिए खेल विभाग और पंजाब इंस्टिट्यूट ऑफ़ स्पोर्ट्स की तरफ से 28 फरवरी से 1 मार्च, 2026 तक स्टेट स्पोर्ट्स स्कूल जालंधर में अलग-अलग खेलों के ट्रायल करवाए जा रहे है। उन्होंने बताया कि स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट अंडर 14, 17 और 19 साल के लड़कों के लिए वॉलीबॉल, स्विमिंग, जिम्नास्टिक, बॉक्सिंग और लड़के-लड़कियों के लिए एथलेटिक्स के ट्रायल स्पोर्ट्स स्कूल/कॉलेज जालंधर में करवा रहा है। हॉकी के ट्रायल सुरजीत हॉकी स्टेडियम बल्टन पार्क में होंगे। इच्छुक खिलाड़ी ही इन खेलों के लिए 28 फरवरी से 1 मार्च 2026 तक सुबह 8 बजे स्टेट स्पोर्ट्स स्कूल, कपूरथला चौक, जालंधर के पास रिपोर्ट कर सकते हैं। चुने गए खिलाड़ियों को मुफ़्त हॉस्टल, मेस, स्कूल, जिम, स्विमिंग पूल और ट्रैक, नेशनल स्टैंडर्ड वॉलीबॉल कोर्ट, एडवांस्ड ट्रेनिंग, इनडोर और जिम्नास्टिक हॉल की सुविधाएं दी जाती हैं। ज़िला स्पोर्ट्स अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों को आधार कार्ड, बर्थ सर्टिफ़िकेट, पिछली क्लास का पास सर्टिफ़िकेट, स्पोर्ट्स एक्टिविटी में हिस्सा लेने की जानकारी और 4 पासपोर्ट साइज़ फ़ोटो साथ लाने होंगे। खिलाड़ी हॉकी कोच युद्धविंदर सिंह मोबाइल नंबर 97791-85486, स्विमिंग कोच उमेश शर्मा 98721-20001, बॉक्सिंग कोच अरिहंत कुमार 97800-74748, वॉलीबॉल कोच अमृतपाल सिंह 97815-21456, एथलेटिक कोच बिक्रमजीत सिंह 95015-00922 और जिम्नास्टिक कोच लव कुमार 97806-79367 से संपर्क कर सकते हैं।

होली पर घर जाने वालों के लिए चलेंगी 1244 स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली. भारतीय रेलवे ने त्योहार के दौरान बढ़ती भीड़ को देखते हुए बड़ी संख्या में होली स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला किया है, ताकि यात्रियों को कन्फर्म सीट और आरामदायक सफर मिल सके। वहीं अगर आप कोई स्टार्टअप चला रहे हैं और रेलवे के साथ मिलकर नई तकनीक पर काम करना चाहते हैं, तो आपके लिए भी अवसर खुल गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई रेल टेक नीति की घोषणा की है, जिसके तहत नवाचार और तकनीकी समाधान सीधे रेलवे से जोड़े जाएंगे। देखा जाये तो भारतीय रेल अब तेज बदलाव के दौर से गुजर रही है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई रेल टेक नीति और रेलवे क्लेम्स ट्रिब्यूनल की डिजिटल व्यवस्था की शुरुआत कर सुधारों को नई दिशा दे दी है। यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रिफॉर्म्स विजन के तहत उठाया गया है। नई रेल टेक नीति का मकसद रेलवे में नई तकनीक और नए विचारों को बढ़ावा देना है। अब स्टार्टअप, उद्योग और शिक्षण संस्थान सीधे रेलवे के लिए अपने सुझाव दे सकेंगे। इसके लिए रेल टेक पोर्टल शुरू किया गया है, जहां एक ही चरण में प्रस्ताव जमा किए जा सकेंगे। प्रोटोटाइप बनाने और परीक्षण के लिए मिलने वाला अनुदान पहले से दोगुना कर दिया गया है, जबकि स्केल अप के लिए अनुदान तीन गुना से अधिक बढ़ाया गया है। साथ ही रेलवे क्लेम्स ट्रिब्यूनल की 23 पीठों को डिजिटल रूप से जोड़ने की तैयारी है।

स्पेशल डीजीपी अर्पित शुक्ला ने होले मोहल्ले से पहले श्री आनंदपुर साहिब में सुरक्षा प्रबंधों का लिया जायजा

संगत की सुरक्षा के लिए 5000 पुलिस कर्मी तैनात

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/श्री आनंदपुर साहिब

श्री आनंदपुर साहिब में मनाए जाने वाले पवित्र त्योहार होला मोहल्ला के लिए पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित बनाने के मद्देनजर स्पेशल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (स्पेशल डीजीपी) कानून एवं व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने आज इस धार्मिक समागम को सुचारू और सुरक्षित ढंग से निपटाने के लिए वहां के सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि तीन दिवसीय वार्षिक होला मोहल्ला 2 मार्च से 4 मार्च, 2026 तक श्री आनंदपुर साहिब में मनाया जाएगा।

डीआईजी रूपनगर रेंज नानक सिंह और एसएसपी रूपनगर मनिंदर सिंह के साथ एक समन्वय बैठक की अध्यक्षता करते हुए स्पेशल डीजीपी

अर्पित शुक्ला ने निर्देश दिए कि दुनिया भर से खालसे के जन्म स्थान पर नतमस्तक होने वाली लाखों संगतों की सुविधा के लिए पुख्ता प्रबंध किए जाएं। वर्णनीय है कि पूरे क्षेत्र को योजनाबद्ध ढंग से 12 सेक्टरों में विभाजित किया गया है और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगभग 5000 पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है। हवाई निगरानी और भीड़ की निगरानी के लिए छह ड्रोन तैनात किए गए हैं, जिनकी लाइव फीड की निगरानी केंद्रीय कंट्रोल रूम पर की जाएगी।

स्पेशल डीजीपी अर्पित शुक्ला ने सभी सेक्टर इंचार्जों और तैनात पुलिस बल को संगत के साथ बहुत ही नम्रता से पेश आने और इस समागम को सफल बनाने के लिए पूरी लगन और दृढ़ता से काम करने के निर्देश दिए। सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि होला मुहल्ला के शांतिपूर्ण और सुचारू प्रबंध सुनिश्चित करने के लिए रूपनगर पुलिस द्वारा कई नई पहल लागू की गई हैं ताकि संगतों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

स्पेशल डीजीपी ने कहा कि क्षमता अनुसार कुल 21 पार्किंग क्षेत्र निर्धारित किए गए हैं और संगतों के मार्गदर्शन के लिए पार्किंग और रूटों के लिए एक कलर-कोडिंग योजना लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 100 ई-रिक्शा और 50 मिनी-बसों सहित 24 घंटे शटल सेवाएं पार्किंग क्षेत्रों पर उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने आगे कहा कि संगतों को शटल बस सेवाओं, पार्किंग पॉइंटों, चिकित्सा सुविधाओं और अन्य आवश्यक सुविधाओं के विवरण में मदद करने के लिए विभिन्न स्थानों पर क्यूआर-कोड आधारित जानकारी प्रणालियां स्थापित की गई हैं। स्पेशल डीजीपी ने कहा कि शहर की पहुंच सड़कों को कवर करने के लिए पीटीजेड और एएनपीआर कैमरों सहित लगभग 200 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं ताकि ट्रैफिक की आवक के बारे में वास्तविक समय की जानकारी प्राप्त की जा सके। इसके साथ ही पुलिस स्टेशन आनंदपुर साहिब में सीसीटीवी कंट्रोल रूम के माध्यम से 24 घंटे लाइव निगरानी भी की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि पहली बार चरण गंगा स्टेडियम में प्रभावशाली भीड़ प्रबंधन के लिए तीन-स्तरीय बैरिकेडिंग प्रणाली लागू की जा रही है।

एफसीआई अधिकारी के तकनीकी सहायक को रिश्वत लेते पकड़ा

जालंधर (जालंधर ब्रीज). जिला जालंधर के भोगपुर स्थित एफसीआई दफ़्तर में तैनात तकनीकी सहायक रूही बाला कालिया को 20, 000 रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों काबू किया है। राज्य विजीलैंस ब्यूरो के एक सरकारी वक्ता ने बताया कि उक्त दोषी को गुरू तेग़ बहादुर चावल मिल, नंगल फ़िदा, सब- तहसील भोगपुर, जिला जालंधर के मैनेजर की तरफ से दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ़्तार किया गया है। शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने पंजाब विजीलैंस ब्यूरो, यूनिट कपूरथला के पास पहुंच की और शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत पर कार्यवाही करते हुए विजीलैंस ब्यूरो ने एक जाल बिछाया और दोषी रूही बाला कालिया को सरकारी गवाहों की उपस्थिति में शिकायतकर्ता से 20, 000 रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू कर लिया गया। इस संबंधित, आरोपित के विरुद्ध विजीलैंस ब्यूरो के थाना जालंधर में भ्रष्टाचार रोकू कानून के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है और इस मामले में आगे की जांच जारी है।

मथुरा-वृंदावन के अलावा उत्तर प्रदेश के इन 5 शहरों की होली भी है मशहूर

Ai knowladge मथुरा-वृंदावन की होली के बारे में आपने खूब सुना होगा लेकिन यूपी के अन्य शहरों की मशहूर होली के बारे में जानते हैं। चलिए बताते हैं उत्तर प्रदेश में कहां-कहां अलग ढंग से होली खेली जाती है।

• **जालंधर ब्रीज** . फीचर

उत्तर प्रदेश के खूबसूरत शहर मथुरा और वृंदावन की होली के बारे में आपने खूब सुना होगा लेकिन क्या यूपी के अन्य शहरों की होली के बारे में सुना है। भारत के हर राज्य और हर शहर में होली मनाने की अपनी अलग परंपरा है और लोग इसे खूब एन्जॉय करते हैं। वही मथुरा-वृंदावन में फूल वाली, लट्ठमार, रंगों की होली भी पॉपुलर है, लेकिन उत्तर प्रदेश के कुछ और शहर भी हैं, जो होली के गजब स्टाइल के लिए जाने जाते हैं। यहां होली सेलिब्रेट करना आपके लिए यादगार बन सकता है। इस बार होली कही और मनाने का प्लान कर रहे हैं, तो कुछ जगहों के बारे में हम आपको बताते हैं।

किन शहरों की होली है मशहूर-

1- बनारस की होली

बनारस की होली रंगों वाली नहीं बल्कि चिता की राख उड़ती है। तभी तो वो गाना है होली खेले मसाने में। मसान की होली काफी फेमस है। यहां गंगा के किनारे लोगों का होली पर अलग हुड़दंग देखने को मिलता है। आप काशी की होली में शामिल होने जा सकते हैं।

2- प्रयागराज

प्रयागराज के लोकनाथ की होली उत्तर प्रदेश के बरसाना के बाद दूसरी बड़ी होली मानी जाती है। कहा जाता है यहां पर पीएम जवाहर लाल नेहरू और कवि निराला भी होली खेलने आया करते थे। लोकनाथ में एक ही रंग में हर कोई रंग जाता है और कपड़े फाड़कर एक दूसरे को होली की बधाई देते हैं। प्रयागराज की होली भी देखने लायक है।

3- कानपुर

कानपुर में होली 8 दिनों तक मनाई जाती है। जी हां, कानपुर में लंबी होली खेली जाती है और फिर गंगा मेला के साथ ये त्योहार खत्म होता है। कहा जाता है कि होली के त्योहार पर लोगों ने दुकानें बंद कर ली थी और ये बात उस वक्त ब्रिटिशर्स को पसंद नहीं आई। उन्होंने दुकानें खोलने को कहा लेकिन लोग नहीं माने। विरोध होने पर अंग्रेजों ने व्यापारी के नेता और कुछ लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के विरोध में कानपुर में लोगों ने लगातार होली खेलना जारी रखा और दुकानों को बंद रखा। ऐसे में अंग्रेजों के कारोबार का काफी नुकसान हुआ और सभी को रिहा किया गया। रिहाई अनुराधा नक्षत्र के खास दिन पर हुई और तभी से उस दिन गंगा मेला मनाया जाने लगा। गंगा मेला के अगले दिन कानपुर में मार्केट खुलती है।

4- शाहजहांपुर की जूतम पैजार होली

शाहजहांपुर में 70 साल पुरानी परंपरा के अनुसार आज भी होली मनाई जाती है। शाहजहांपुर में होली से 5 दिन पहले ही सभी मस्जिदों को तिरपाल से कवर कर दिया जाता है और इसकी वजह है कि उनकी दीवारें खराब न हो। यहां पर धर्म को लेकर कोई मसला नहीं है लेकिन अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आज भी लोग जुलूस निकालते हैं। अंग्रेजों के सबसे बड़े अफसर को लॉर्ड कहा जाता था और यहां के लोग उसे लाट साहब कहते हैं। शाहजहांपुर में एक शख्स को लाट साहब बनाकर गधे पर बिठाया जाता है और उसे कालिख पोतकर शहर में घुमाया जाता है।

5- हमीरपुर

उत्तर प्रदेश के शहर हमीरपुर की होली भी कम मशहूर नहीं है। वहां 300 साल पुरानी परंपरा आज भी निभाई जाती है। यहां गांव की महिलाएं एक साथ राम जानकी मंदिर से बारात निकालती हैं और उसमें एक भी पुरुष नहीं होता। फिर एक दूल्हा बारात निकाली जाती है, जिसमें एक व्यक्ति को घोड़े पर बिठाया जाता है और बैंड-बाजा के साथ उसकी बारात निकलती है। बारात के बाद महिलाएं उसका टीका करती हैं और फिर पूरे गांव में होली का पर्व मनाया जाता है।

RELATIONSHIP

रिश्तों में दूरी नहीं, समझ की कमी होती है- पुरुषों के दिमाग की ये बातें जरूर जानें

रिश्तों में गलतफहमियां अक्सर भावनाओं की कमी से नहीं, बल्कि सोचने और महसूस करने के अलग-अलग तरीकों से पैदा होती हैं। अगर महिलाएं पुरुषों के दिमाग को थोड़ा बेहतर समझ लें, तो कम्युनिकेशन काफी आसान हो सकता है।

• **जालंधर ब्रीज** . फीचर

अक्सर रिश्तों में यह शिकायत सुनने को मिलती है कि 'वह बात नहीं करता', 'उसे फर्क ही नहीं पड़ता' या 'वह मेरी भावनाएं नहीं समझता।

लेकिन क्या सच में पुरुष कम महसूस करते हैं? लव कोच कोमल के अनुसार, पुरुष कम नहीं, बल्कि अलग तरीके से महसूस करते हैं। जो चुप्पी आपको दूरी लगती है, वह कई बार उनके भीतर चल रही प्रोसेसिंग होती है। इन बातों को समझना दूरी को जायज ठहराना नहीं, बल्कि बेहतर संवाद की नींव रखना है।

पुरुषों के मन को समझने के लिए ये बातें जरूर समझें-

1. पुरुष भावनाओं को धीरे-धीरे प्रोसेस करते हैं
   - महिलाएं अक्सर अपनी भावनाओं को तुरंत पहचान लेती हैं और उन्हें शब्दों में भी जल्दी व्यक्त कर देती हैं। वहीं पुरुषों को यह समझने में समय लगता है कि वे असल में क्या महसूस कर रहे हैं। इसका मतलब यह नहीं कि उन्हें परवाह नहीं- बस उन्हें भावनाओं को समझने और व्यवस्थित करने के लिए थोड़ा ज्यादा समय चाहिए।
2. इशारों वाली बातें पुरुषों को समझ नहीं आतीं
   - जब आप कहती हैं 'कुछ नहीं' या 'छोड़ो', तो पुरुष इसे सच मान लेते हैं। वे लाइनों के बीच छिपे मतलब नहीं पढ़ते। अगर आप चाहती हैं कि वह समझे, तो साफ और सीधे शब्दों में बात करना ज्यादा असरदार होता है।
3. पुरुषों की एनर्जी साइकिल अलग होती है
   - महिलाओं का शरीर हार्मोनल साइकिल से गुजरता है, जिससे मूड और एनर्जी बदलती रहती है। पुरुषों में यह मासिक उतार-चढ़ाव नहीं होता, इसलिए वे अक्सर एक जैसी एनर्जी और रिदम में रहते हैं। यही वजह है कि कई बार वे आपके इमोशनल बदलावों को समझ नहीं पाते।
4. पुरुष एक समय में एक ही चीज पर फोकस करते हैं
   - जब पुरुष चुप हो जाते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं कि वे आपको इग्नोर कर रहे हैं। अक्सर वे किसी एक मुद्दे, काम या भावना पर पूरा ध्यान लगाकर उसे सुलझाने की कोशिश कर रहे होते हैं। यह उनका नेचुरल डिफेंस और प्रोसेसिंग तरीका है।

रिश्ते बेहतर कैसे बनें?

- अपनी भावनाएं सीधे शब्दों में रखें।
- उन्हें सोचने और समझने का समय दें।
- चुप्पी को तुरंत नकारात्मक ना मानें।
- तुलना करने से बचें- दोनों का दिमाग अलग तरह से काम करता है।

रिलेशनशिप टिप्स : पुरुषों की चुप्पी भावनाओं की कमी नहीं, बल्कि अलग प्रोसेसिंग का संकेत होती है। जब महिलाएं इस फर्क को समझ लेती हैं, तो बहस कम और समझदारी ज्यादा होती है। बेहतर रिश्ता बनाने के लिए समझना सबसे पहला कदम है।

होली पर बिना घी-तेल के बनाएं मावा गुजिया, बेफिक्र होकर खाएंगे सभी

होली का त्योहार गुजिया के बिना अधूरा माना जाता है। मावा की फिलिंग से तैयार होने वाली गुजिया बेफिक्र होकर खाना चाहते हैं, तो यहां बताए गए तरीके से इसे बिना घी-तेल के तैयार करें। सीखिए आसान रेसिपी-

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

त्योहार कोई भी हो मिठाई के बिना अधूरा ही माना जाता है। रंगों का त्योहार होली आने से पहले ही महिलाएं घर पर तरह-तरह के पकवान तैयार करती हैं। जिनमें पापड़, मठरी, और गुजिया शामिल हैं। वैसे तो ट्रेडिशनल रेसिपी के मुताबिक गुजिया को मैदा से तैयार किया जाता है। इसमें मावा की फिलिंग होती है और घी या फिर तेल में फ्राई करके तैयार किया जाता है। फिर चाशनी में इसे डिप करके सर्व करते हैं। स्वाद में तो ये बेहद टेस्टी लगती हैं लेकिन सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है क्योंकि इसे फ्राई करके मैदा से तैयार किया जाता है। लेकिन आप चाहें तो बिना घी-तेल का इस्तेमाल करके एयरफ्रायर में मावा गुजिया बना सकते हैं। यहां सीखिए एयर फ्रायर में गुजिया बनाने का तरीका।

एयर फ्रायर में गुजिया

बनाने की सामग्री

एयर फ्रायर में गुजिया बनाने के लिए आपको चाहिए एक मुट्ठी कटे हुए बादाम, एक मुट्ठी कटे हुए काजू, एक मुट्ठी किशमिश एक कप मावा, भुने हुए मेवे, आधा छोटा चम्मच इलायची पाउडर, एक कप पिसी हुई चीनी कप गेहूं का आटा, एक चुटकी नमक, कद्दूकस किया नारियल। इसके अलावा आटा लगाने के लिए और एयर फ्रायर में गुजिया की कोटिंग करने के लिए आपको थोड़ा घी चाहिए होगा।

एयर फ्रायर में गुजिया बनाने की विधि

हेल्दी गुजिया बनाने के लिए सबसे पहले आटा लगाकर तैयार करें। इसके लिए सबसे पहले एक फैले हुअ बर्तन में आटा निकाल लें। इसमें नमक और घी डालें और फिर थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर आटा लगा लें। अब काजू और बादाम को बारीक काट लें, एक कढ़ाई में काजू-बादाम को अच्छे से भून लें और एक प्लेट में निकाल लें। फिर कद्दूकस किए नारियल को भी एक कढ़ाई में सेक लें। इसे भी अलग निकाल लें। अब एक कढ़ाई में मावा को भी डालें और भूनें। जब ये गोल्डन ब्राउन हो जाए तब इसमें मेवा डालें। अच्छे से मिक्स करें। जब मावा ठंडा हो जाए तो इसमें पीसी हुई चीनी और इलायची पाउडर मिलाएं। अच्छे से मिक्स करने के बाद अब बारी है गुजिया तैयार करने की। इसके लिए थोड़े से आटे को लें और फिर इसे गोल बेल लें। अब इसे सांचे पर रखें और फिर इसमें मावा भरें। ध्यान रखें कि इसे सेंटर में ही फिल करें और किनारों को खाली रखें। इसके किनारों पर पानी लगाएं और अब सांचे को बंद करें। अच्छी तरह से दबाने के बाद गुजिया को सांचे से बाहर निकालें और एक प्लेट में रखें। सारी गुजिया ऐसे ही तैयार करने के बाद इन्हें एयर फ्रायर में रखें। इनपर घी लगाएं और फर 180 डिग्री पर 10-10 मिनट के लिए दोनों तरफ से सेक लें। गुजिया तैयार हैं।

ज्यादा टेंशन कहीं बिगाड़ ना दे बच्चे का एग्जाम ध्यान रखें पैरेंट्स! एक्सपर्ट की सलाह

जालंधर ब्रीज (फीचर) . एग्जाम का सीजन शुरू हो गया है। ऐसे में सिर्फ बच्चे ही नहीं, पेरेंट्स का भी स्ट्रेस लेवल थोड़ा बढ़ चुका है। इस समय समझदारी यही है कि आप अपने शब्दों और रवैये पर ध्यान दें। सही सपोर्ट से बच्चा शांत दिमाग से और ज्यादा आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दे पाएगा।

मार्क्स नहीं, मेहनत पर ध्यान दें : पेरेंटिंग कोच कहती हैं कि सबसे पहले आप यह तय कर लें कि इस समय बार-बार मार्क्स की बात नहीं करनी है। अक्सर बच्चा पढ़ाई से ज्यादा रिजल्ट के बारे में सोचने लगता है। इसलिए इसकी जगह आप अपने बच्चे से कहें कि तुमने मेहनत की है, बस अपना बेस्ट देना। जब आप उसके प्रयास की सराहना करते हैं तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। जब दिमाग पर कम दबाव होता है नंबर अपने आप बेहतर आते हैं।

अपनी घबराहट को कंट्रोल में रखें : आपका तनाव बच्चे तक बहुत जल्दी पहुंचता है। अगर आप हर समय टेंशन में दिखेंगे, बार-बार पढ़ाई का हिसाब मांगेंगे या भविष्य की चिंता जताएंगे, तो बच्चा भी बेचैन हो जाएगा। इसलिए पहले खुद को शांत रखें। अपने चेहरे और आवाज के लहजे पर ध्यान दें। बच्चे के सामने संतुलित और सामान्य व्यवहार करें। याद रखें, आपका शांत रहना ही उसके लिए सबसे बड़ा सहारा है।

बच्चे की घबराहट को सामान्य मानें : अगर बच्चा कहे कि उसे डर लग रहा है या घबराहट हो रही है तो उसे कमजोर मत समझें। पहले उसे यह महसूस कराएं कि एग्जाम से पहले नर्वस होना बिल्कुल सामान्य बात है। जब आप यह कहते हैं कि ऐसा महसूस करना ठीक है तो उसका आधा तनाव वहीं कम हो जाता है। वह खुद को धीरे-धीरे संभालने लगता है।

आखिरी समय में नया डर मत जोड़ें : परीक्षा से ठीक पहले यह कहना कि यह चैप्टर रह गया या इतना सिलेबस अभी बाकी है, बच्चे के मन में अधूरापन भर देता है। यह अधूरापन ही सबसे बड़ा स्ट्रेस बन जाता है। इस समय आप उसे याद दिलाएं कि जो पढ़ लिया है, उसी को अच्छे से दोहराए। आखिरी दिनों में आत्मविश्वास बढ़ाना ज्यादा जरूरी है, ना कि नई चिंता देना।

पढ़ाई के बीच छोटा ब्रेक जरूर दें : पूरा दिन सिर्फ पढ़ाई करवाना सही तरीका नहीं है। दिमाग को भी आराम चाहिए। रोज 15 से 20 मिनट की वॉक, हल्का म्यूजिक या थोड़ी स्ट्रेचिंग बच्चे को रिलैक्स करती है। इससे उसका ध्यान फिर से ताजा हो जाता है और वह बेहतर तरीके से पढ़ पाता है। छोटे-छोटे ब्रेक समय की बर्बादी नहीं, बल्कि अच्छी तैयारी का हिस्सा हैं।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

मैग्नीशियम की कमी से शरीर को होती है ये बीमारियां, इन लक्षणों को ना करें इग्नोर

Health मैग्नीशियम की कमी को अक्सर लोग अनदेखा करते हैं। जबकि ये माइक्रोन्यूट्रिएंट्स अगर शरीर में कम हो जाए तो एक दो नहीं बल्कि पूरे 9 तरह की समस्याएं होने लगती हैं। जानें कौन से लक्षण मैग्नीशियम की कमी...

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

मैग्नीशियम बॉडी के माइक्रो न्यूट्रिएंट्स में शामिल है। जिसकी जरूरत काफी सारे बॉडी ऑर्गंस को स्मूदली फंक्शन करने के लिए होती है। लेकिन काफी सारे लोगों को इस माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की कमी होती है। क्योंकि उन्हें मैग्नीशियम रिच फूड्स कम खाने को मिलते हैं। ऐसे में कुछ बीमारियों के लक्षण मैग्नीशियम की कमी से दिखते हैं। जिन्हें दूर करने के लिए कई बार डॉक्टर सप्लीमेंट्स लेते हैं। मैग्नीशियम अच्छी सेहत के लिए जरूरी है और ये करीब 300 बायो केमिकल फंक्शन को प्रभावित करता है। जैसे मसल्स का यूज, नर्व्स को सिग्नल, ब्लड शुगर और प्रेसर लेवल। मैग्नीशियम की कमी के लिए अक्सर खराब क्वालिटी की डाइट, स्ट्रेस, प्रोसस्ड फूड ज्यादा खाना और कुछ हेल्थ प्रॉब्लम के होने पर होती है। मैग्नीशियम की कमी से शरीर में ये लक्षण दिखते हैं।

मसल्स क्रैम्प और चोट - मैग्नीशियम मसल्स के संकुचन और रिलैक्स के लिए बहुत जरूरी है। जब मैग्नीशियम की कमी होती है तो पैरों में दर्द और चोट ज्यादा लगती है।

थकान और कमजोरी - मैग्नीशियम फूड को एनर्जी में बदलने में मदद करती है। मैग्नीशियम की कमी से खाना खाने के बाद भी वो एनर्जी बॉडी को नहीं मिलती। जिससे थकान और कमजोरी महसूस होती है।

हार्ट बीट तेज या धीमा - मैग्नीशियम हेल्दी हार्ट की रिदम को भी मेंटेन करता है। कई बार हार्ट बीट तेज या धीमी चल रही होती है तो इसका कारण मैग्नीशियम की कमी होती है।

हाई ब्लड प्रेशर - मैग्नीशियम ब्लड वेसल्स को रिलैक्स करता है। इसकी कमी से हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत होती है और हार्ट डिसीज का रिस्क बढ़ाते हैं।

एंजायटी और मूड चेंज - मैग्नीशियम की कमी से न्यूरोट्रांसमीटर जो मूड को कंट्रोल करते हैं, वो प्रभावित होते हैं। साथ ही एंजायटी ज्यादा होना या फिर थोड़ा डिप्रेशन होने का कारण कई बार मैग्नीशियम की कमी होती है।

नींद ना आना - अगर आपको नींद ना आने की समस्या धीरे-धीरे बढ़ रही तो ये मैग्नीशियम की कमी का भी संकेत हो सकती है। दरअसल, जब बॉडी को आराम नहीं मिलता तो बॉडी में मेलाटोनिन नहीं बन पाता जिसकी वजह से इनसोमनिया की समस्या या नींद ना आने की समस्या हो जाती है।

सिर में दर्द और कमजोर हड्डियां - रिसर्च कहती है लो मैग्नीशियम का लेवल सिर दर्द और माइग्रेन को बढ़ाता है और कैल्शियम मेटाबॉलिज्म के लिए जरूरी है। ज्यादा लंबे समय तक मैग्नीशियम की कमी से ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा रहता है।

मैग्नीशियम रिच फूड्स - बादाम, काजू, पंपकिन सीड्स, हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, दालें, डार्क चॉकलेट, साबुत अनाज डाइट में जरूर लें। ये मैग्नीशियम के रिच सोर्स होते हैं।

डिस्क्लेमर : इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

भारत मंडपम में मनाया गया 75वां एसिक स्थापना दिवस

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

माननीय डॉ. मनसुख मांडविया, श्रम एवं रोजगार मंत्री, भारत सरकार की अध्यक्षता में "भारत मंडपम" नई दिल्ली में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के 75वें एसिक स्थापना दिवस पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। साथ ही ईएसआईसी में "विशेष सेवाएं पखवाड़ा-2026" का भी शुभारंभ किया गया। एसिक स्थापना दिवस के समारोह में माननीय सांसद एनके प्रेमचन्दन, वंदना गुरनानी, सचिव, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा पंचदीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। ईएसआईसी की तरफ से निगम के महानिदेशक अशोक कुमार सिंह ने सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया।

माननीय श्रम एवं रोजगार मंत्री ने ईएसआईसी के 75वें स्थापना दिवस पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी तथा नियोजकों को सम्मानित किया । साथ ही निगम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यालयों और अस्पतालों को सम्मानित किया गया। एसिक दिवस की 75वें स्थापना दिवस पर एक स्मारक सिक्का भी जारी किया गया । साथ ही ईएसआईसी@75 कॉफी टेबल बुक का भी विमोचन किया गया।

आगे, इस समारोह में प्रधानमंत्री जन औषधि योजना और ईएसआईसी के मध्य एमओयू भी हस्ताक्षर किया गया तथा स्वास्थ्य रथ की भी शुरुआत की गई जो कि एक मोबाइल हेल्थकेयर प्रदान करने का मॉडल है । साथ ही वार्षिक स्वास्थ्य जांच शिविरों का भी शुभारंभ किया गया ।

इसके उपरांत माननीय डॉ. मनसुख मांडविया, श्रम एवं रोजगार मंत्री ने सभी को 75वें एसिक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ईएसआई एक व्यापक योजना है तथा यह चिकित्सा क्षेत्र में अविस्मरणीय योगदान दे रही है।

इसके अतिरिक्त ईएसआईसी और एनएबीएल के बीच एमओयू किया गया। तदुपरांत ईएसआईसी योजना के हितधारकों का विवरण भी जारी किया गया।

समारोह के अंत में दीपक जोशी -बीमा आयुक्त ने माननीय श्रम एवं रोजगार मंत्री एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों के साथ उपस्थित सभी ईएसआईसी के अधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

ईएसआईसी उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम के कार्यालय प्रमुख सुनील यादव-निदेशक(प्रभारी) ने प्रतिनिधित्व किया। साथ ही सचिन सिंह-उप निदेशक, डॉ.स्वीटी यादव- सहायक निदेशक के अतिरिक्त कार्यालय के अधिकारियों ने अपनी सहभागिता दी।

प्रतिनिधिमंडल ने पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ (यूटी) के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया से शिष्टाचार भेंट की

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

प्रतिनिधिमंडल ने चंड़ीगढ़, पंजाब एवम हरियाणा में केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनओं की प्रगति का किया अवलोकन पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), जयपुर द्वारा राजस्थान राज्य के वरिष्ठ संपादकों एवं रिपोर्टरों के पत्रकार दल ने इस दौरे के दौरान पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ (यूटी) के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रेस दौरे के उद्देश्य के बारे में विस्तार से चर्चा की गई।

प्रेस दौरे के अंतिम दिन दल ने चंड़ीगढ़ परिवहन विभाग में PM e-Bus Sewa योजना के बारे में जानकारी प्राप्त की।इस अवसर पर परिवहन विभाग के चीफ आप्रेशनल मैनेजर यशजीत गुप्ता ने बताया कि भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा PM e-Bus Sewa योजना के अंतर्गत चंडीगढ़ शहर के लिए कुल 428 बसों को स्वीकृति प्रदान की गई। वर्तमान में शहर में 80 इलेक्ट्रिक बसें संचालित हो रही थीं। 25 नई बसों के शामिल होने से यह संख्या बढ़कर 105 हो गई है।

उन्होंने ने बताया कि नई शामिल की गई 12 मीटर लंबी लो-फ्लोर, वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें एक बार चार्ज होने पर लगभग 224 किलोमीटर तक चलने में सक्षम हैं। इनमें 400 मिमी लो-फ्लोर सुविधा, दिव्यांगजन यात्रियों के लिए पावर ऑपरेटेड रैंप एवं अन्य अत्यआधुनिक सुविधा, 36 यात्रियों के बैठने तथा 20 यात्रियों के खड़े होने की क्षमता, व्हीलचेयर के लिए विशेष स्थान, एयर सस्पेंशन, फ्रंट डिस्क ब्रेक, यात्री सूचना डिस्प्ले तथा वॉयस-आधारित अगला स्टॉप घोषणा प्रणाली जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

उन्होंने बताया कि सुरक्षा एवं निगरानी की दृष्टि से बसों में सीसीटीवी कैमरे (यात्री क्षेत्र, चालक व्यवहार, रिवर्स एवं डैशबोर्ड दृश्य सहित), AIS-140 मानक के अनुरूप जीपीएस डिवाइस, स्टेट ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी के कमांड कंट्रोल सेंटर से जुड़े पैनिक बटन तथा यात्रियों की सुविधा हेतु स्टॉप रिक्वेस्ट बटन लगाए गए हैं।

गुप्ता ने कहा कि चंडीगढ़ प्रशासन वर्ष 2027-28 तक ट्राईसिटी क्षेत्र में संचालित सभी डीजल बसों को इलेक्ट्रिक बसों से प्रतिस्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अतिरिक्त 70 और बसें बेड़े में शामिल की जाएंगी। इस प्रकार कुल इलेक्ट्रिक बसों की संख्या 508 तक पहुंच जाएगी, जिससे कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आएगी, शहरी परिवहन व्यवस्था सुदृढ़ होगी तथा नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार होगा। चंडीगढ़ सिटी बस सर्विसेज सोसाइटी (CCBSS), चंड़ीगढ़ ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग (CTU) के अंतर्गत, भारत सरकार की पीएम ई-बस सेवा (PM e-Bus Sewa) पहल के तहत इलेक्ट्रिक बसों का संचालन कर रही है। इन बसों का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 14 फरवरी, 2026 को किया गया, जिसके साथ शहर में पहले चरण की इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत हुई।

गुप्ता ने बताया कि फ्लीट अवलोकन के अंतर्गत वर्तमान में 25 इलेक्ट्रिक बसें चंडीगढ़ में शामिल की गई हैं। शेष 100 बसें वर्ष 2026 के दौरान चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जाएंगी। बसें भारत में डिज़ाइन एवं निर्मित हैं। इंट्रा-सिटी (शहरी) सार्वजनिक परिवहन के लिए कॉन्फ़िगर की गईं।

उन्होंने बताया कि चार्जिंग एवं अवसंरचना -- डिपो आधारित CCS2 फास्ट चार्जिंग सिस्टम स्थापित किया गया है। रात्रिकालीन निर्धारित चार्जिंग व्यवस्था, लगभग 2-3 घंटे में पूर्ण चार्ज (बैटरी स्थिति पर निर्भर), स्मार्ट लोड मैनेजमेंट प्रणाली से बिजली मांग के अनुकूलन के अलावा, अर्थिंग, अग्नि सुरक्षा एवं विद्युत सुरक्षा मानकों का अनुपालन किया गया है। स्थानीय प्राधिकरणों के साथ समन्वित विद्युत लोड योजना के अलावा सुरक्षा एवं यात्री सुविधाएं लो-फ्लोर प्रवेश व सुगम चढ़ने-उतरने की सुविधा एवम् सीसीटीवी कैमरा एवं आंतरिक निगरानी प्रणाली से लैस है।

उन्होंने बताया कि यात्री सूचना डिस्प्ले सिस्टम, आपातकालीन स्टॉप व सुरक्षा अनुपालन सुविधाएं, रखरखाव एवं सेवा समर्थन उच्च परिचालन उपलब्धता लक्ष्य, रिमोट डायग्नोस्टिक्स आधारित प्रिवेंटिव व प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस, बैटरी स्वास्थ्य निगरानी व थर्मल मैनेजमेंट सिस्टम, डिपो पर समर्पित सेवा इंजीनियर व तकनीकी दल, स्पेयर पार्ट्स सपोर्ट व त्वरित सेवा प्रोटोकॉल के अलावा अन्य यह अत्यआधुनिक सेवाओं से लैस है। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने इंटैलीजैंट ट्रांसपोर्ट सिसटम के कंट्रोल रूम का भी दौरा किया। इस कंट्रोल रूम से सिटी बस सेवा की विभिन्न गतीविधियों की आनलाईन निगरानी सिस्टम का अवलोकन किया एवम जानकारी ली।

यह बसें वातावरण अनुकूल है जो प्रदूषण नहीं करती हैं। जिस से शहरी क्षेत्रों में ध्वनि प्रदूषण में कमी के अलावा स्वच्छ, हरित एवं टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। चंडीगढ़ प्रेस दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने चंडीगढ़ प्रेस क्लब का दौरा किया। इस दौरान विभिन्न मीडिया संस्थानों के पत्रकारों से विचार-विमर्श किया।

'मेटाप्लेजिया 2026' : होमी भाभा कैंसर अस्पताल में खेलों के जरिए बढ़ा तालमेल

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, पंजाब द्वारा आयोजित सालाना खेल महोत्सव 'मेटाप्लेजिया 2026' का रविवार को बड़े उत्साह के साथ समापन हुआ। 16 फरवरी से शुरू हुए इस हफ्ते भर के आयोजन में न्यू चंडीगढ़ और संगरूर, दोनों यूनिट्स के फैकल्टी मेंबर्स, रेजिडेंट डॉक्टर्स, नर्सिंग ऑफिसर्स और बाकी स्टाफ ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस समापन समारोह में चंडीगढ़ NMIMS की डायरेक्टर डॉ. ज्योत्स्ना सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। साथ ही, उत्साह फाउंडेशन के CEO श्री संजीव शर्मा भी विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. आशीष गुलिया ने इस मौके पर कहा कि खेलों का मकसद सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि संस्थान में एकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा, "खेल भावना और टीम वर्क एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। जिस तरह मरीजों के इलाज में तालमेल और भरोसे की जरूरत होती है, वैसे ही खेल भी हमें साथ मिलकर काम करना सिखाते हैं।"

मुख्य अतिथि डॉ. ज्योत्स्ना सिंह ने अस्पताल की तारीफ करते हुए कहा कि पढ़ाई और काम के साथ-साथ सेहत और खेलों को बढ़ावा देना काबिल-ए-तारीफ है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से प्रोफेशनल्स न केवल कुशल बनते हैं, बल्कि वे अनुशासन और टीम के साथ चलना भी सीखते हैं।

मैदान पर दिखा जबरदस्त मुकाबला - 'मेटाप्लेजिया 2026' में शतरंज, कैरम, पुश-अप्स और बेंच प्रेस जैसे इंडोर गेम्स से लेकर रेस (100 मीटर से 1000 मीटर), स्लो साइकिलिंग, स्पून रेस, बैडमिंटन, फुटबॉल और क्रिकेट जैसे कई मुकाबले हुए। इन गतिविधियों ने सभी के बीच एक नई ऊर्जा भर दी। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को इनाम दिए गए।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2026-27 सीजन के लिए कच्चे जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य को मंजूरी दी

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली) . प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में गठित आर्थिक कार्य मंत्रिमंडलीय समिति ने आज विपणन सत्र 2026-27 के लिए कच्चे जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दे दी है।

2026-27 सीजन के लिए कच्चे जूट (टीडी-3 ग्रेड) का एमएसपी 5,925 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। इससे जूट के अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत पर 61.8 प्रतिशत का लाभ सुनिश्चित होगा। विपणन सीजन 2026-27 के लिए कच्चे जूट का यह घोषित एमएसपी बजट 2018-19 में सरकार के घोषित अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना एमएसपी निर्धारित करने के सिद्धांत के अनुरूप है।

विपणन सत्र 2026-27 के लिए कच्चे जूट का एमएसपी पिछले विपणन सत्र 2025-26 की तुलना में 275 रुपये प्रति क्विंटल अधिक है। सरकार ने कच्चे जूट का एमएसपी 2014-15 में 2400 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2026-27 में 5,925 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है, जो कि 3,525 रुपये प्रति क्विंटल (2.5 गुना) की वृद्धि दर्शाता है।

वर्ष 2014-15 से 2025-26 की अवधि के दौरान जूट उत्पादक किसानों को भुगतान की गई एमएसपी राशि 1342 करोड़ रुपये थी, जबकि वर्ष 2004-05 से 2013-14 की अवधि के दौरान भुगतान की गई राशि 441 करोड़ रुपये थी। भारतीय जूट निगम (जेसीआई) मूल्य समर्थन संचालन करने के लिए केंद्र सरकार की नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करना जारी रखेगी और ऐसे संचालन में होने वाले किसी भी नुकसान की भरपाई पूरी तरह से केंद्र सरकार की ओर से की जाएगी।

भारत एआई अनुप्रयोग भंडार - प्रभाव के लिए संदर्भ-नवाचार के पैमाने का विस्तार

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

भारत में एआई की अंतिम सफलता इसके जीपीयू क्लस्टरों के आकार से नहीं, बल्कि इस बात से मापी जाएगी कि हमारे एआई अनुप्रयोग नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में कैसे सुधार ला सकते हैं - उदाहरण के लिए, जब एआई आशा कार्यकर्ताओं को उच्च जोखिम वाली गर्भवती स्त्रियों का पता लगाने में मदद करता है, या छोटे किसानों को कीटनाशक की खपत पर महत्वपूर्ण कमी लाने में मदद करता है, या एक दूर-दराज स्थित सरकारी स्कूल के बच्चे की पढ़ाई और गणित में अंक बढ़ाता है।

आर्थिक सर्वेक्षण 2026 इस बात में व्यावहारिक है कि भारत एआई का लाभ कैसे उठा सकता है। आर्थिक सर्वेक्षण में भारतीय एआई आर्थिक परिषद ने प्रस्ताव किया है कि एआई का प्रमुख उद्देश्य मानव प्रधानता और आर्थिक हित पर आधारित है। इस बात में स्पष्टता है कि राष्ट्रीय स्तर पर एआई अपनाने की नीति को मानव कल्याण और आर्थिक समावेश में सहायक होना चाहिए। एआई को घरेलू आर्थिक वास्तविकताओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए और एआई अपनाने के लाभ अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों और सभी नागरिकों तक पहुँचने चाहिए।

सौभाग्य से, हमारे लिए, भारतीय नवोन्मेषक ऐसे एआई अनुप्रयोगों को आगे बढ़ा रहे हैं, जो उन सामाजिक और आर्थिक समस्याओं को हल करते हैं, जो तात्कालिक तौर पर और भारत के संदर्भ में प्रासंगिक हैं। स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, शहरी प्रबंधन और आपदा तैयारी से जुड़े अनुप्रयोग आशाजनक हैं। सही समर्थन के साथ, इनमें से कई अनुप्रयोगों का पूरे भारत में विस्तार किया जा सकता है और भविष्य में इन्हें भारत एआई अनुप्रयोग भण्डार में शामिल किया जा सकता है, और यहां तक कि इन्हें वैश्विक बाजारों में भी ले जाया जा सकता है। आइए कुछ रोचक पहलों पर नजर डालें।

स्वास्थ्य देखभाल : निरामई ने बिना किसी दवा-सुई वाला (नॉन-इनवेसिव), गोपनीयता के प्रति जागरूक स्तन कैंसर जांच उपकरण विकसित किया है, जो पारंपरिक मैमोग्राफी के बजाय एआई-संचालित थर्मल इमेजिंग का उपयोग करता है। यह उपकरण सभी उम्र की महिलाओं में असामान्य स्थिति का शीघ्र पता लगाने में सक्षम बनाता है, जिसमें घने स्तन ऊतक भी शामिल हैं जहां मैमोग्राफी अक्सर विफल हो जाती है। यह आसानी से एक जगह से दूसरी जगह ले जाने लायक और किफायती है, जो ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर जांच को व्यावहारिक बनाता है। Qure.ai एक एआई उपकरण है, जो सेकंडों में एक्स-रे और सीटी स्कैन का विश्लेषण करता है, टीबी, फेफड़ों के कैंसर और दिल की समस्या जैसी 35 से अधिक स्थितियों का पता लगाता है। यह समाधान संसाधन-सीमित परिस्थितियों में बहुत प्रभावी है जहां रेडियोलॉजिस्ट अनुपलब्ध हैं तथा दूरदराज के जिलों में तेजी से प्राथमिक परीक्षण और उपचार की सुविधा प्रदान करते हैं। एआईस्टेथ, एक एआई-संचालित स्टेथोस्कोप, हृदय और फेफड़ों की आवाज़ों को सटीक, दूरस्थ निदान के लिए दृश्य तरंग रूपों में बदल देता है। यह किफायती उपकरण 93% सटीकता के साथ ग्रामीण भारत में स्वास्थ्यकर्मियों को शुरुआती दौर में ही हृदय और श्वसन समस्याओं का पता लगाने में सक्षम बनाता है। यह विशेषज्ञ देखभाल में मौजूद महत्वपूर्ण कमी को समाप्त करता है और इसमें भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने की क्षमता है।

ऋषिकेश टी कृष्णन
(आईआईएम बैंगलोर में रणनीति के प्रोफेसर हैं।)

एन दयासिंधु
(इतिहास रिसर्च एंड डिजिटल के सह-संस्थापक और सीईओ हैं।)

कृषि : न्योपर्क एक हल्का-फुल्का उपकरण है, जो इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी और मशीन लर्निंग का उपयोग करके पारंपरिक लैब रसायनों के बिना तुरंत मिट्टी के स्वास्थ्य का विश्लेषण करता है। यह पांच मिनट से कम समय में 12 प्रमुख मृदा-मानकों पर लैब-सटीक परिणाम प्रदान करता है। यह किसानों को उर्वरक के उपयोग पर डेटा-आधारित निर्णय लेने में सक्षम बनाता है, जिससे मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार होता है और इनपुट खर्च में कमी आती है। वाधवानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता संस्थान का कॉटनऐस एक एआई -आधारित मोबाइल ऐप है जो किसानों को जाल में पकड़े गए कीड़ों के फोटो अपलोड करने की सुविधा देता है और कीटनाशक के उपयोग को लेकर तत्काल, स्थान-अनुकूल सलाह प्राप्त करता है। यह ऐप हज़ारों छोटे कपास किसानों को पिंक बुलवर्म जैसे कीड़ों से अपनी फसल की रक्षा करने में मदद करता है, जिससे उच्च गुणवत्ता की फसल मिलती है और आय में वृद्धि होती है। निको रोबोटिक्स एआई -संचालित रोबोट का उपयोग करता है, जो कंप्यूटर विज़न (दिन और रात वाले कैमरे) से लैस हैं, ताकि वास्तविक समय में कीड़े और खरपतवार की पहचान की जा सके। यह प्रभावित क्षेत्रों में छिड़काव को सक्षम बनाता है तथा इससे यह भी सुनिश्चित होता है कि रसायनों का उपयोग केवल आवश्यक जगहों पर ही किया जाएगा। इससे कीटनाशकों के उपयोग में महत्वपूर्ण कमी आई है (कुछ मामलों में 60-90% तक), जिससे किसानों की लागत घटती है और पर्यावरण विषाक्तता कम होती है। क्रॉपिन एक एआई-सक्षम डिजिटल इकोसिस्टम है जो खेत की निगरानी, क्रेडिट जोखिम विश्लेषण और किसान सहभागिता तक फैला हुआ है। यह स्थायी उत्पादकता और जलवायु-अनुकूल निर्णयों को बढ़ावा देता है, हिस्सों में बंटी प्रथाओं को अनुमान-योग्य कृषि प्रणालियों में बदल देता है, जिसका वैश्विक स्तर विस्तार किया जा सकता है।

शिक्षा : पढ़ाईविदएआई एक एआई-संचालित व्यक्तिगत ज्ञान-प्राप्ति प्लेटफार्म का उपयोग करता है, जिसे सरकारी स्कूलों में गणित सीखने के कमजोर परिणामों में को सुधार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। केवल छह सप्ताह में, इस पहल ने उत्तीर्ण होने की दर और उच्च-प्राप्त करने वालों के प्रदर्शन में महत्वपूर्ण सुधार किया। यह ग्रामीण भारतीय शिक्षा में सीखने के अंतर को पाटने के लिए एक ऐसे मॉडल के रूप में काम करता है, जिसके पैमाने का विस्तार किया जा सकता है। राकेट लर्निंग के पास अप्पू (एक जनरेटिव एआई हाथी) नामक एआई संचालित शिक्षा साथी है, जो माता-पिता और बच्चों के साथ व्हाट्सएप के जरिए संवाद करता है। यह छह वर्ष से कम उम्र के बच्चों को आधारभूत साक्षरता और अंकगणित कौशल प्राप्त करने में मदद करने के लिए छोटे-छोटे, खेल-आधारित गतिविधियाँ प्रदान करता है। बेलगावी स्मार्ट सिटी अपने सार्वजनिक पुस्तकालय में डीप लर्निंग-सक्षम ई-बुक्स को एकीकृत कर रहा है। उपयोगकर्ता के व्यवहार का विश्लेषण करने और कहानी की रूपरेखा, शब्दावली और कठिनाई स्तर को वास्तविक समय में अनुकूलित करने के लिए डिज़ाइन की गई इन किताबों ने सहभागिता और समझ के स्तर में सुधार किया है। केवल दो सप्ताह में पढ़ने की गति में 12% वृद्धि हुई है।

सरकार इन जमीनी स्तर पर केंद्रित एआई नवाचारों के लिए एक शक्तिशाली इकोसिस्टम आयोजक बन सकती है और इन्हें पूरे भारत में उच्च-प्रभाव वाले अनुप्रयोगों तक विस्तार करने में मदद कर सकती है। सरकार का एक मुख्य ध्यान इन एआई अनुप्रयोगों के लिए बाजार बनाने में सहायता करना भी हो सकता है। उदाहरण के लिए, सरकार खरीद की सुविधा प्रदान कर सकती है, जहां सूचीबद्ध घरेलू एआई अनुप्रयोग सरकार (राज्य सरकार सहित) के विभागों, अस्पतालों, स्कूलों आदि के लिए समाधान प्रदान कर सकते हैं। इसके अलावा, स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा आदि में एआई के लिए मानक स्थापित करके, सरकार एक विश्वसनीय वातावरण बना सकती है, ताकि ग्राहक और नागरिक इन्हें आसानी से अपना सकें।

एक बार जब ये एआई अनुप्रयोग खुद को साबित कर लेते हैं, तो सरकार सबसे प्रभावशाली अनुप्रयोगों को भारत एआई अनुप्रयोग भंडार में एकीकृत करने में सुविधा प्रदान कर सकती है - यानी, ऐसे समाधान जो भारत के पैमाने और विविधता के लिए बनाए गए हैं और विश्व स्तर पर उपयोग करने के लिए तैयार हैं। हम ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन एआई जैसे प्लेटफॉर्म का लाभ उठा सकते हैं। भारतीय एआई अनुप्रयोग भंडार के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय शासन रूपरेखा, जो यूरोपीय जीडीपीआर जैसी अंतर्राष्ट्रीय रूपरेखाओं के साथ मेल खाती हो, इस भंडार को कई देशों में तुरंत शुरू करने (प्लग-एंड-प्ले) के योग्य बना सकता है।

मां बोली पंजाबी मार्च में देश-विदेश से लोगों ने की शिरकत

स्पीकर पंजाब विधानसभा कुलतार सिंह संधवा, कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत और एमपी अशोक मित्तल ने युवाओ को पंजाबी भाषा का राजदूत बनने की अपील की

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस को समर्पित पंजाबी जागृति मंच एवं पंजाब पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामलों विभाग के सलाहकार दीपक बाली द्वारा शहर भर में प्रभावशाली मां बोली पंजाबी मार्च निकाला गया। इस मौके पर देश-विदेश से लोगों के जोरदार इकठ्ठ द्वारा पंजाबी भाषा एवं संस्कृति के प्रचार एवं प्रसार की दृढ़ वचनबद्धता को दोहराया गया। इस मौके पर पंजाब विधान सभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवा, कैबनेट मंत्री मोहिंदर भगत, सदस्य संसद अशोक मित्तल, डिप्टी कमिश्नर डा.हिमांशु अग्रवाल एवं सीनियर आप आगू राजविंदर कौर थियाड़ा के इलावा अन्य शख्सियतों द्वारा मार्च में शिरकत की गई। हजारों की गिनती में लोग लायलपुर खालसा स्कूल, नकोदर रोड में इकट्ठे हुए जहां से यह मार्च शुरू हुआ। शहर के अलग-अलग स्थानों से होता हुआ यह मां बोली पंजाबी मार्च देश भगत यादगार हाल में पहुंचकर समाप्त हुआ। इस मौके पर लोगों के जोरदार जत्थों को संबोधन करते हुए स्पीकर कुलतार सिंह संधवा द्वारा मातृभाषा की महत्ता बारे जागरूकता फैलाने लिए दीपक बाली द्वारा किए गए संजीदा प्रयास की प्रशंसा की गई। उन्होंने युवाओ को पंजाबी भाषा का राजदूत बनने का सदा देते हुए विश्व स्तर पर मां बोली के प्रचार एवं प्रसार का संदेश दिया गया। उन्होंने दोहराया कि मुख्यमंत्री पंजाब स.भगवंत सिंह मान के नेतृत्व राज्य सरकार विश्व के कोने-कोने में पंजाबी भाषा को उत्साहित करने लिए वचनबद्ध है।

संधवा ने जोर देते हुए कहा कि भले सभी भाषाएं सम्मान योग्य है पर लोगों को अपनी मातृभाषा को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने मां-बापों को प्रेरित किया कि घर में बच्चों के साथ पंजाबी भाषा में बातचीत की जाए। इस मौके पर अपने संबोधन में पंजाब के पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामलों विभाग के सलाहकार दीपक बाली ने कहा कि बड़े स्तर पर पंजाबी भाषा को उत्साहित करने की जरूरत पर जोर देते हुए सभी शिक्षा संस्थाओं में पंजाबी भाषा की पढ़ाई अनिवार्य करने की मांग भी की गई। उन्होंने बताया कि मातृभाषा दिवस को एक त्योहार की तरह मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी की पहचान उसकी मातृभाषा की गहरी जड़ों से जुड़ी होती है। इस मौके पर मार्च द्वारा पंजाब विधान सभा के स्पीकर को पंजाबी भाषा को और मजबूत करने संबंधी मांग पत्र भी दिया गया। उन्होंने भरोसा जताया कि इस मसले को पंजाब सरकार से विचार किया जाएगा। समागम को सांस्कृतिक रंगत देने लिए प्रसिद्ध गायक मनकीरत औलख, दलविंदर दियालपुरी, कुलविंदर कैली एवं गुरलेज़ अख्तर द्वारा श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया गया।

18 मार्च को पूरे राज्य में 14,100 महिला उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा

100 शीर्ष महिला उद्यमियों को प्रत्येक को 25,000 रुपये दिए जाएंगे : तरुणप्रीत सिंह सौंद

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (पीएसआरएलएम) द्वारा 18 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस व्यापक स्तर पर मनाया जा रहा है, जिसके दौरान पंजाब सरकार द्वारा पूरे राज्य के विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्य स्तर पर 14,100 महिला उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा। इस समारोह के दौरान 100 शीर्ष उद्यमियों को प्रत्येक को 25,000 रुपये प्रदान किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि स्वयं सहायता समूहों की गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों की दर 18 प्रतिशत से घटकर 2.16 प्रतिशत हो गई है। बड़े स्तर पर समारोहों की घोषणा करते हुए और वर्ष 2022 के बाद दिए जा रहे वित्तीय तथा संस्थागत लाभों की जानकारी देते हुए ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने कहा कि सरकार द्वारा पूरे राज्य में स्वयं सहायता समूहों का विस्तार किया गया है, वित्त पोषण में वृद्धि की गई है और ग्रामीण महिलाओं की स्थिति को सुदृढ़ किया गया है। मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने कहा, "पूरे राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से स्वयं सहायता समूह की 100 महिला उद्यमियों को पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। कुल 11,700 महिला उद्यमियों को पुरस्कार दिए जाएंगे। इसी प्रकार, 23 जिलों से 2,300 और प्रत्येक जिले से 100 महिला उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा। राज्य स्तर पर एक समिति द्वारा पंजाब की शीर्ष 100 महिला उद्यमियों का चयन किया जाएगा और उनमें से प्रत्येक को 25,000 रुपये से सम्मानित किया जाएगा।

एसएफईसी-आईसीटीआरई 2026 का नाईपर मोहाली में आयोजन

मोहाली (जालंधर ब्रीज). नेचुरल प्रोडक्ट्स विभाग, राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाइपर), मोहाली, भारत, एथ्नोफार्माकोलॉजी सोसायटी (एसएफई), कोलकाता, भारत के सहयोग से संयुक्त रूप से 13वीं अंतरराष्ट्रीय एथ्नोफार्माकोलॉजी सोसायटी कांग्रेस तथा एथ्नोफार्माकोलॉजी में ट्रांसलेशनल रिसर्च पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (एसएफईसी-आईसीटीआरई 2026) – "आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं में पारंपरिक चिकित्सा का एकीकरण" का आयोजन 26-28 फरवरी, 2026 को नाइपर-मोहाली, पंजाब में कर रहा है। सम्मेलन का विषय, "एआई एवं एथ्नोफार्माकोलॉजी इन ट्रांसलेशनल रिसर्च," प्राचीन पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को आधुनिक वैज्ञानिक प्रगतियों एवं उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ जोड़ने का उद्देश्य रखता है, जिससे प्राकृतिक उत्पाद अनुसंधान और औषधि खोज के क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहन मिल सके। उद्घाटन समारोह आज संस्थान के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के महानिदेशक प्रो. रबिनारायण आचार्य ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहे। पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के सह-संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

खन्ना सखी शक्ति मेला 2026

सुरक्षा के लिए अस्थायी कंट्रोल रूम स्थापित, 93 कैमरे और ड्रोन निगरानी से सख्त प्रबंध

खन्ना/लुधियाना (जालंधर ब्रीज). खन्ना में आयोजित सखी शक्ति मेला 2026 के दौरान लोगों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से व्यापक और पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। भारी संख्या में पहुंच रहे दर्शकों की सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था और कानून-व्यवस्था को सुचारू ढंग से संभालने के लिए मेला परिसर के भीतर ही एक अस्थायी कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जहां से पूरे मेला क्षेत्र और आसपास के इलाकों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

एसएसपी डॉ. दर्पण आहलूवालिया की अगुवाई में तैयार की गई इस सुरक्षा योजना के तहत मेला स्थल और उसके आसपास कुल 93 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जो हर कोने को कवर कर रहे हैं। ये कैमरे 24 घंटे सक्रिय रहते हैं और कंट्रोल रूम में तैनात चार कर्मचारी लगातार स्क्रीन पर निगरानी बनाए रखते हैं। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या असामान्य स्थिति की सूचना मिलते ही तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया टीमें भी तैयार रखी गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए ड्रोन के माध्यम से हवाई निगरानी भी की जा रही है।

5,000 स्कूलों में 400 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट शुरू करने की घोषणा

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने पंजाब शिक्षा क्रांति के तहत 400 करोड़ रुपये के व्यापक डिजिटलीकरण प्रोजेक्ट की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भगवंत मान सरकार द्वारा एक अभूतपूर्व परिवर्तन की शुरुआत की गई है, जो सरकारी स्कूलों को अत्याधुनिक तकनीक से लैस करने के साथ-साथ पूरे राज्य में कक्षा शिक्षण को मूल रूप से नया स्वरूप प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इस पहल को पंजाब के शिक्षा क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी मील का पत्थर करार दिया। उन्होंने कहा, "यह एक ऐतिहासिक पहल है। पंजाब के सरकारी स्कूलों के इतिहास में पहले कभी भी इतने बड़े स्तर पर डिजिटल बुनियादी ढांचा प्रस्तुत नहीं किया गया। पंजाब शिक्षा क्रांति के तहत हमने पहले कक्षाओं को मजबूत किया और सीखने के परिणामों में सुधार किया। अब हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि प्रत्येक बच्चे की आधुनिक डिजिटल साधनों तक आसान पहुंच हो। हमारे विद्यार्थियों को केवल आज के लिए ही नहीं, बल्कि भविष्य के लिए भी तैयार होना चाहिए।"

पंजाब भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि इस पहल के तहत पुराने हार्डवेयर और कंप्यूटरों को बदला जा रहा है और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, हाई स्कूल और मिडिल स्कूल नवीनतम डिजिटल बुनियादी ढांचे से सुसज्जित हों।

मोंटेसरी शिक्षण पद्धति शुरु करने वाला होशियारपुर प्रदेश का पहला जिला बना

होशियारपुर (जालंधर ब्रीज). जिले में प्रारंभिक बाल शिक्षा को सुदृढ़ और गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में जिला प्रशासन ने रेडक्रॉस होशियारपुर के सहयोग से एक ऐतिहासिक पहल करते हुए सामुदायिक आधार पर मोंटेसरी शिक्षण पद्धति का विशेष प्रशिक्षण आरंभ किया है। डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने बताया कि जिला प्रशासन होशियारपुर ने पंजाब में अपनी तरह की पहली पहल करते हुए 16 फरवरी 2026 से आरंभ हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के 50 सरकारी आंगनवाड़ी एवं प्री-प्राइमरी स्कूल शिक्षकों तथा 17 सुपरवाइजरों सहित कुल 67 कर्मियों मोंटेसरी पद्धति का प्रशिक्षण देना शुरु कर दिया है। यह मॉड्यूलर प्रशिक्षण 30 सितंबर 2026 तक चरणबद्ध तरीके से चलेगा। उन्होंने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के आधार पर अभी 50 स्कूल व आंगनवाड़ी केंद्र शामिल किए गए हैं। जल्द ही अन्य को भी इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत शामिल किया जाएगा। वे आज जिला प्रशासकीय कांप्लेक्स में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत चुने गए आंगनवाड़ी केंद्रों के वर्करों व सरकारी स्कूलों के अध्यापकों को भी संबोधित किया। डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन विवेक हाई मोंटेसरी इंस्टीट्यूट, चंडीगढ़ द्वारा किया जा रहा है।

बरिंदर कुमार गोयल द्वारा पंजाब में क्रशर-ओनर माइनिंग साइटों की शुरुआत

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). खनन क्षेत्र में पारदर्शिता और नियमित खनन प्रणाली को मज़बूत रूप से लागू करने की दिशा में एक और निर्णायक कदम उठाते हुए पंजाब के खनन एवं भू-विज्ञान मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने आज पंजाब में क्रशर-ओनर माइनिंग साइटों (सीआरएमएस) की शुरुआत की। पठानकोट ज़िले में स्थित इन साइटों की शुरुआत करते हुए कैबिनेट मंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि इस पहल से बाज़ार में रेत और अन्य खनिजों की प्रचुर उपलब्धता सुनिश्चित होगी तथा राज्यभर में ग़ैर-कानूनी खनन पर अधिक प्रभावी ढंग से अंकुश लगाया जा सकेगा।

इस अवसर पर खनन एवं भू-विज्ञान मंत्री, क्रशर मालिकों, भूमि मालिकों और वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में दो क्रशर-ओनर माइनिंग साइटों के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि इन दोनों साइटों के अंतर्गत 4.46 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन समझौतों के साथ विभाग द्वारा एक सुव्यवस्थित ढांचा लागू किया जा रहा है, जिसके तहत स्वीकृत खनन योजनाओं और पर्यावरणीय सुरक्षा मानकों के अंतर्गत पंजीकृत क्रशर इकाइयाँ सीधे खनन गतिविधियों से जुड़ेंगी।

खुड्डियां ने साथी पोर्टल कार्यों को उचित बनाने के लिए सीड सर्टिफिकेशन अधिकारियों को सौंपे 40 टेबलेट्स

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब सरकार ने अपने फील्ड स्टाफ को टेबलेट्स के साथ लैस किया है जिससे साथी पोर्टल का सारा काम आनलाइन यकीनी बनाया जा सके। विभाग में मुकम्मल डिजीटलाईज़ेशन को असली रूप देते हुए कृषि और किसान भलाई मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने आज बीज प्रमाणीकरण अधिकारियों और सहायकों को 40 टेबलेट्स सौंपे। कृषि मंत्री ने ज़ोर दे कर कहा कि फील्ड अधिकारियों को टेबलेट्स के साथ लैस करने के साथ न सिर्फ़ कागज़ी कार्यवाही ख़त्म होगी, बल्कि इसके साथ जवाबदेही बढ़ेगी और निरीक्षण दौरान खेतों से सीधे तौर पर कम्प्यूटराईज़ड डेटा तुरंत जुटाने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता को यकीनी बनाने के लिए खेत की सही भौगोलिक स्थिति को जीपीएस के द्वारा रिकार्ड किया जा सकेगा, जबकि तुरंत फोटो अपलोड करने के साथ अधिकारित रिपोर्ट में फसलों की असली स्थिति दर्ज की जा सकेगी।

क्या अश्वनी शर्मा को लगता है कि पंजाबी अकाली-भाजपा के नशों और गैंगस्टरों के दशक को भूल गए हैं : बलतेज पन्नू

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के महासचिव और मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने पंजाब भाजपा नेता अश्वनी शर्मा के उस बयान का करारा जवाब दिया है जिसमें उन्होंने दावा किया था कि सिर्फ भाजपा ही पंजाब से नशे को खत्म कर सकती है और कानून-व्यवस्था ठीक कर सकती है। उन्होंने कहा कि ऐसे बयान पंजाब के लोगों की समझ और याददाश्त का अपमान हैं।

एक वीडियो संदेश में आप पंजाब स्टेट मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने भाजपा नेता को याद दिलाया कि 1997 से 2002 तक भाजपा -शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के साथ गठबंधन में थी, और फिर 2007 से 2017 तक राज्य में अकाली-भाजपा गठबंधन की सरकार रही। उन्होंने कहा कि यह वह दौर था जब पंजाब में नशा तेजी से फैला और 'चिट्टे' ने एक पूरी पीढ़ी को बर्बाद कर दिया। इसकी ज़िम्मेदारी सिर्फ़ बादल परिवार की नहीं है; भाजपा भी उतनी ही ज़िम्मेदार है। उन्होंने सवाल किया कि क्या भाजपा को लगता है कि पंजाबी वह दशक भूल गए हैं जब उनके शासन में नशे का गलत इस्तेमाल और गैंगस्टरवाद फला-फूला। उन्होंने कहा कि बड़े-बड़े दावे करने से पहले, भाजपा नेताओं को अपने रिकॉर्ड के बारे में जवाब देना चाहिए।

कैबिनेट मंत्री ने किया सबसे बड़े पशु आहार निर्माण संयंत्र का उद्घाटन

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). औद्योगिक विकास और निवेश सुविधा के प्रति पंजाब सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, उद्योग एवं वाणिज्य, निवेश प्रोत्साहन, ऊर्जा एवं स्थानीय निकाय मंत्री श्री संजीव अरोड़ा ने आज इंडस्ट्रियल पार्क, वज़ीराबाद (मंडी गोबिंदगढ़) में 300 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित कारगिल प्राइवेट लिमिटेड के नए डेयरी फीड प्लांट का उद्घाटन किया।

मंत्री ने कहा कि 15 एकड़ में फैला यह संयंत्र 4.5 लाख मीट्रिक टन वार्षिक उत्पादन क्षमता रखता है और दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा डेयरी फीड प्लांट है। बठिंडा के बाद पंजाब में कारगिल की यह दूसरी प्रमुख इकाई है, जिससे राज्य की कृषि-औद्योगिक मूल्य श्रृंखला और सुदृढ़ होगी। कारगिल प्रबंधन ने संयंत्र की स्थापना में कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के अथक प्रयासों की सराहना की। मंत्री ने कहा कि यह संयंत्र डेयरी किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा क्योंकि उच्च गुणवत्ता वाला पशु आहार स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होगा, जिससे दूध उत्पादन, गुणवत्ता और किसानों की आय में वृद्धि होगी।

निजी प्रचार के लिए पुलिस का उपयोग लोकतंत्र पर हमला : परमजीत कैंथ

जालंधर (जालंधर ब्रीज). भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा पंजाब के उपाध्यक्ष परमजीत सिंह कैंथ ने पंजाब में आम आदमी पार्टी के एक नेता द्वारा कथित रूप से "प्री-वेडिंग शूट" के लिए पुलिस बल के उपयोग को लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा प्रहार बताया है। उन्होंने कहा कि यदि सत्ताधारी दल से जुड़े किसी व्यक्ति की निजी छवि निर्माण के लिए राज्य की पुलिस मशीनरी का उपयोग किया गया है, तो यह केवल अधिकारों का दुरुपयोग नहीं बल्कि संस्थागत राजनीतिकरण का स्पष्ट उदाहरण है। यह प्रश्न उठता है कि क्या पंजाब पुलिस कानून-व्यवस्था के लिए है या राजनीतिक प्रचार के लिए? कैंथ ने स्पष्ट कहा कि पुलिस विभाग किसी भी राजनीतिक दल की निजी संपत्ति नहीं है। यह एक संवैधानिक संस्था है, जिसका दायित्व जनता की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। यदि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में पुलिस को राजनीतिक साधन में परिवर्तित किया जा रहा है, तो यह पंजाब की प्रशासनिक निष्पक्षता के लिए गंभीर संकेत है। उन्होंने इस पूरे प्रकरण की तत्काल और निष्पक्ष जांच की मांग की तथा दोषी अधिकारियों या राजनीतिक व्यक्तियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया।

भारत ने जिम्बाब्वे को 72 रन से हराया

अगला मुकाबला 1 मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला जाएगा

स्पोर्ट्स डेस्क. भारत ने गुरुवार को सुपर-8 मैच में जिम्बाब्वे को 72 रनों से शिकस्त दी। भारत ने चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में 257 का टारगेट दिया था। जवाब में जिम्बाब्वे ने छह विकेट के नुकसान पर 184 रन बनाए। जिम्बाब्वे भले ही हार गया लेकिन ओपनर ब्रायन बेनेट ने शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 59 गेंदों में आठ चौकों और छह छक्कों की मदद से नाबाद 97 रन बनाए। तदिवानाशे मारुमानी ने 20, कप्तान सिकंदर रजा ने 30, और टोनी मुनयोंगा ने 11 रनों का योगदान दिया। ताशिंगा मुसेकिवा ने सात जबकि डियोन मायर्स के बल्ले से छह निकले। रयान बर्ल का खाता नहीं खुला। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने तीन शिकार किए। अक्षर पटेल, शिवम दुबे और वरुण चक्रवर्ती को एक-एक सफलता मिली। भारत को अब आखिरी सुपर-8 मैच में वेस्टइंडीज से 1 मार्च से भिड़ना है, जो कोलकाता में होगा। दोनों में से जो भी यह मैच जीतेगा, उसकी सेमीफाइनल में एंट्री हो जाएगी।

• फोटो-बीसीसीआई

भारत ने जिम्बाब्वे के सामने टॉस गंवाने के बाद निर्धारित 20 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 256 रन जुटाए। यह टी20 वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। टॉस गंवाकर बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम को संजू सैमसन (15 गेंदों में 26) और अभिषेक शर्मा (30 गेंदों में 55) ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने 48 रन जोड़े। पिछले चार मैचों में खराब फॉर्म से जूझने वाले अभिषेक के बल्ले से चार चौके और चार छक्के निकले। अभिषेक ने ईशान किशन (24 गेंदों में 38) के साथ दूसरे विकेट के लिए 72 रनों की साझेदारी की। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 13 गेंदों में 33 रन जुटाए, जिसमें तीन चौके और दो छक्के हैं। सूर्या 15वें ओवर में आउट हुए, जिसके बाद हार्दिक पांड्या और तिलक वर्मा ने गर्दा उड़ाया और भारत को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 84 रनों की अटूट पार्टनरशिप की। हार्दिक ने 23 गेंदों में दो चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 50 रन बटोरे। तिलक ने 14 गेंदों में नाबाद 44 रन बनाए। उनके बल्ले से तीन चौके और चार छक्के निकले। जिम्बाब्वे के लिए टिनोटेंडा मापोसा, ब्लेसिंग मुजरबानी, रिचर्ड नगारवा और कप्तान सिकंदर रजा ने एक-एक विकेट हासिल किया।

रंधावा की पुलिस प्रशासन पर टिप्पणी की 'आप' विधायक ने की निंदा

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). आम आदमी पार्टी (आप) के हल्का डेरा बाबा नानक से विधायक गुरदीप सिंह रंधावा ने कांग्रेस नेता और मौजूदा सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा द्वारा पुलिस प्रशासन पर की गई टिप्पणी की कड़े शब्दों में निंदा की है। रंधावा ने कहा कि गुरदासपुर में पिछले दिनों शहीद हुए हमारे दो जांबाज पुलिस कर्मियों की शहादत पर राजनीति करना बेहद शर्मनाक है। सुखजिंदर रंधावा ने वहां के एसएसपी को जो अपशब्द कहे हैं, वह उनकी ओछी मानसिकता को दर्शाता है। मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि उसी एसएसपी और पंजाब पुलिस ने अपनी काबिलियत का लोहा मनवाते हुए महज 72 घंटों के भीतर एक आरोपी को एनकाउंटर में ढेर कर दिया और दूसरा सलाखों के पीछे है।

विधायक रंधावा ने सुखजिंदर रंधावा से सवाल किया कि वह जनता को बताएं कि उस समय के खूंखार आतंकवादी 'नट्टी' के साथ उनके परिवार के क्या संबंध थे? जो आतंकवादी सुखजिंदर रंधावा के पिता संतोख सिंह रंधावा को अपना 'पिता' कहकर संबोधित करता था और जिसे रंधावा अपना भाई मानते थे, उसके साथ उनके परिवार की क्या सांठगांठ थी? इतना ही नहीं, उत्तर प्रदेश के कुख्यात अंसारी परिवार और अन्य गैंगस्टरों के साथ अपने संबंधों पर सुखजिंदर रंधावा चुप्पी क्यों साध लेते हैं?

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, J7 NEAR BUS STAND SUBHANPUR (HAMIRA), KAPURTHALA, PUNJAB - 144808, and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.